

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ ह्रीं काम्य सता काम्यताये नितिवस्य कतिनि स्त्राहा ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

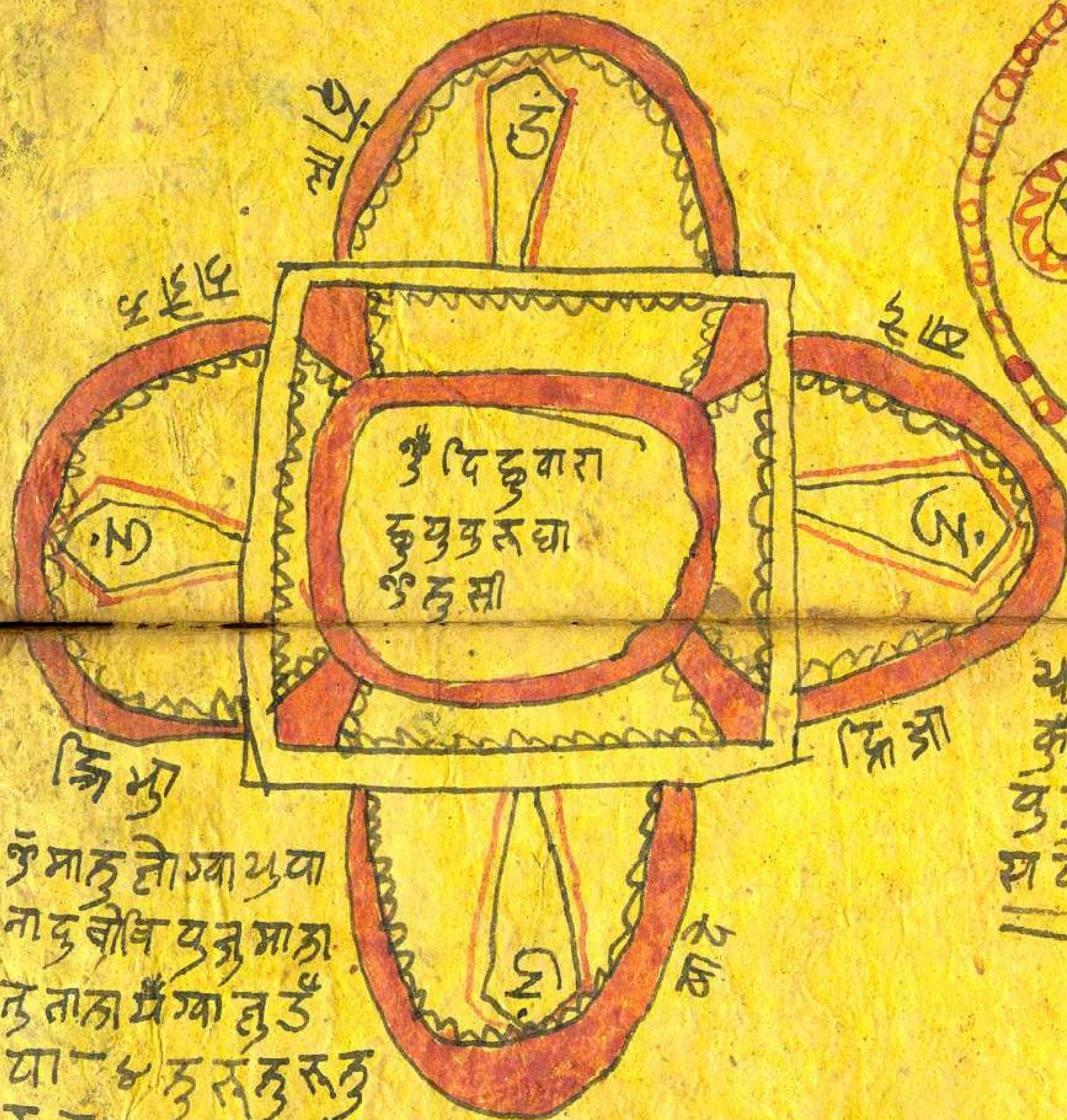
279



अत्र रं भुजा यत्र स कं म गोवं द
 नवो य पुत्रा या यानि सा वी य ता र न
 दी त्रः लु का स स त य भु त यि सा न या ता
 र न ॥ ॥



भूर्ज तै कैं कैं म गो प्र नः भुजा यतै सवो यः ग ह स को ला य के ॥ द स म व नु य ज्ञा या य स्त्री
 सा वी य भूर्ज त्र त्र य वा व य ॥



अजं व्रजना पुत्रयवोये
 कुं कुं मज्ज हं वंद्य नं बोये
 पुत्रायायेति सावीय ग र
 स को वाये स व हो कह द्या

ॐ माहु हो ज्वा युवा
 नादु बोवि पुत्र माहा
 तु ताहा मं ग्या हु उं
 या - ४ हु रुरु रुरु
 रुरु रुरु क माहु फ - ॥

ॐ ह्रीं सा



अ जं त्र मुजा पु त्र य वो ये
 कुं कुं म प्र हं नं नं नं नं
 पु जा या ये हिं सा बी य ग र
 स को वा ये स व हो क ह ह्वा

ॐ मा हू हो ज्वा थु वा
 ना दु वो वि पु न्ना मा हा
 तु ता हा यै ज्वा तु उं
 या - ४ रु रु रु रु रु
 रु रु रु रु रु मा रु रु रु

अ ज त्र प्र वा नं क मे हे वो य प्रः पु जा या य ही सा बी य थु ज त म भा न हो ग या जं त्र मु ह
 कुं कुं म न ग व र वं न नं नो य पु जा प्र त्र स बी य प्र मु त ॥ ॥



भूत भूत भूत भूत भूत भूत भूत भूत
 को बायके पुत्रायाय सा विद्महे पुत्राया
 सवरोकरका

भूत भूत भूत भूत भूत भूत भूत भूत

यत्र भूत भूत भूत भूत भूत भूत भूत भूत

ॐ रामो गुरुभ्याम्वाः ॥ कवीश्वरी वि सा
वा रीता हूँ फ्रस्याताः धा २१०६ ॥ ये जय ज
ने गुरु ह्युभ्याम्वा माहानु जैत्र मत्र सिद्धुं करा

मसुद्रपाउ —
 कठुद्रपाउ —
 सिगकावुपाउ —
 बोसपाउ —
 साहेवुपपाउ —
 मेहोदेपाउ —
 दोनामीहोवपाउ —
 बाववपाउ —
 मकापाउ —
 ठापनुउपाउ —
 नुकासपाउ —
 कोनुमीपाउ —
 रुद्र ॥ ॥ ॥

पुत्रस्योयमसामज्जनवसे
 नुर ॥ ॐ वीरप्रभाभावावीसा
 नीतीहानैनेनैस्याहःधा
 रर ॥ अथयायनृत



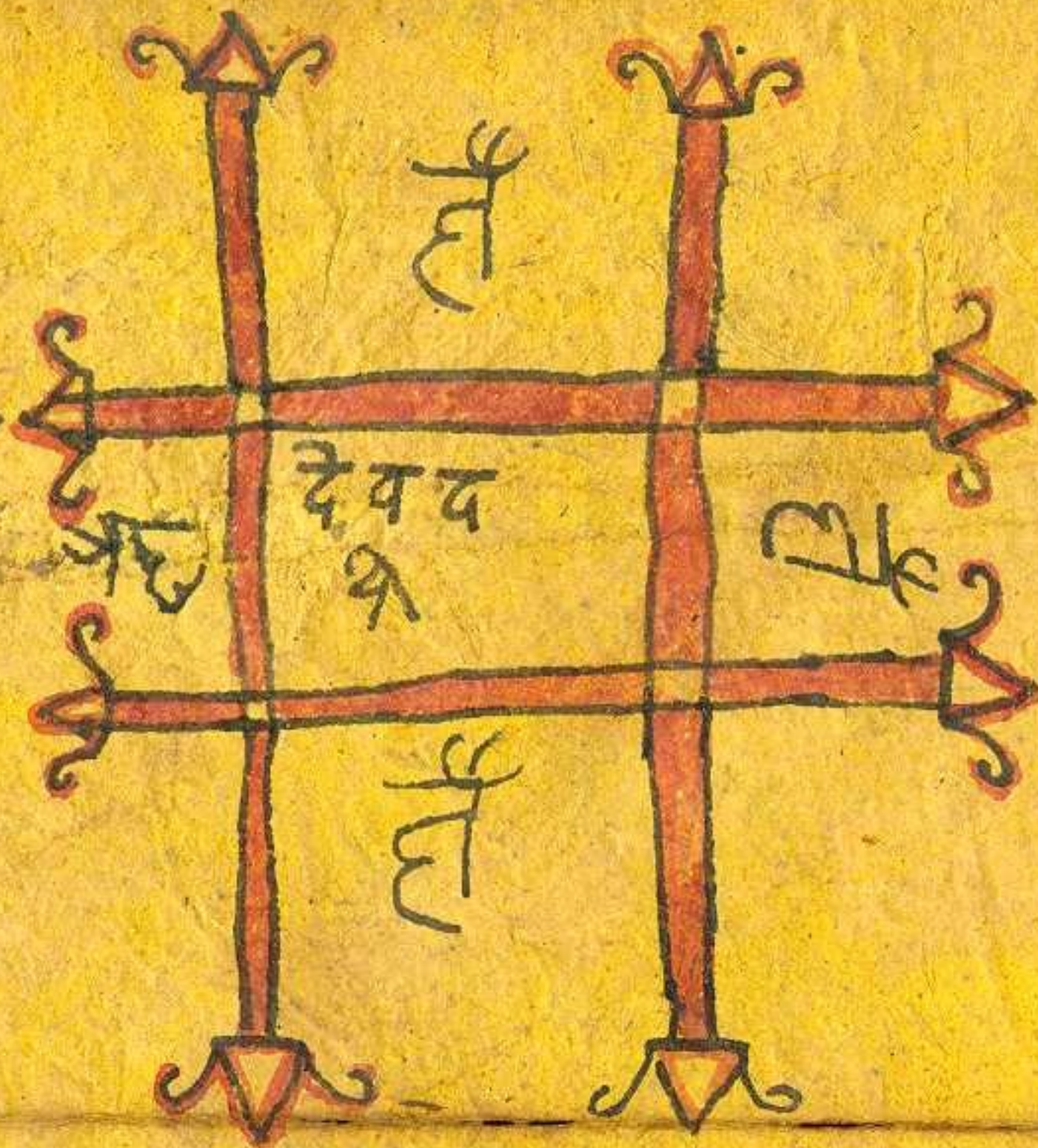
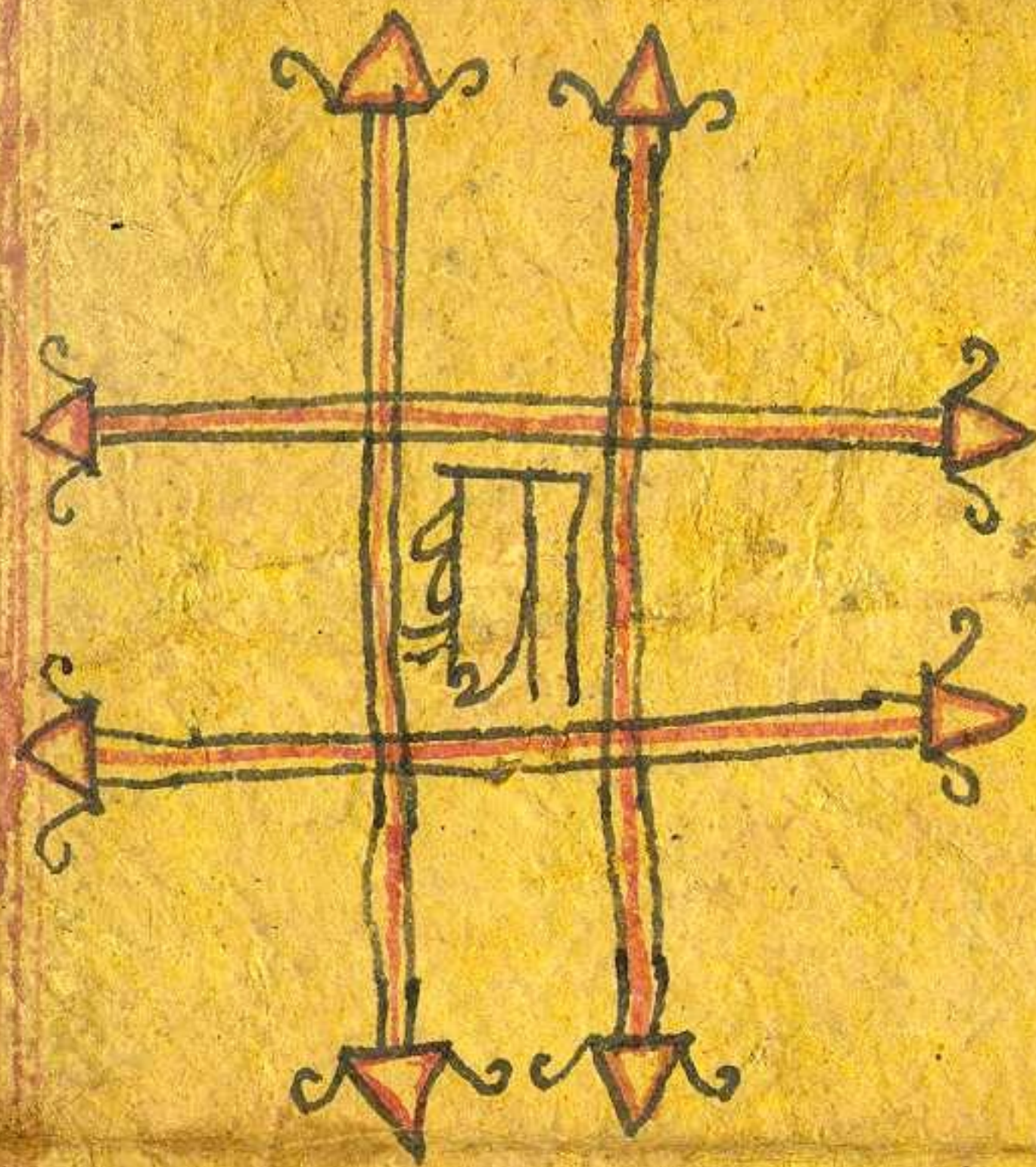
ॐ दे व द
ॐ दे व द
ॐ दे व द
ॐ दे व द
ॐ दे व द
ॐ दे व द
ॐ दे व द
ॐ दे व द

अथ यथा क्र
उत्तरो मोक्षोः
अथ यथा क्र

पुष्पस्य पुष्पा
पुष्पस्य पुष्पा
पुष्पस्य पुष्पा
पुष्पस्य पुष्पा
पुष्पस्य पुष्पा
पुष्पस्य पुष्पा
पुष्पस्य पुष्पा
पुष्पस्य पुष्पा



अथ यथा क्र
उत्तरो मोक्षोः
अथ यथा क्र



ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
प्र नमो य वारं ग न नी या ह
त्रो ॥

रवयेतः मसावतः आ फी ह थ व
युदया हा व सा चो स दाय का व
वा ये सुत व व व त व व सुत के उ
स त थ क्त

ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
त्र स वो य ॐ वो वा म था स वो य सा भा
स व्या के ॥ ॥

फ त गारीः हि र व ये रः जि स्वा ह
थ व व न या न रं व दाय को क ला
या मे दं त रोग जी दं त ह सा जा म व र
ग जा

कृष्णमग्नत्तव
 दुन भूजाक
 सयायगत
 सकाषयक
 सर्वसुलयाना
 सरआ



११	१२	४	५
३	६	१०	१३
१३	१५	१	८
२	७	११	४०

ॐ

धन वरुँ मयव।
 नरुँ मयव वरुँ मयव



मीसा हात के नास
संख सज्जता नास

थज त्रकुं कुं मज्ज
वंद मज्जा पुत्र स
बोये पुत्रा या यति स
वीय ठे त्रं त्रयो ठ
स्य क या ह के ॥॥॥

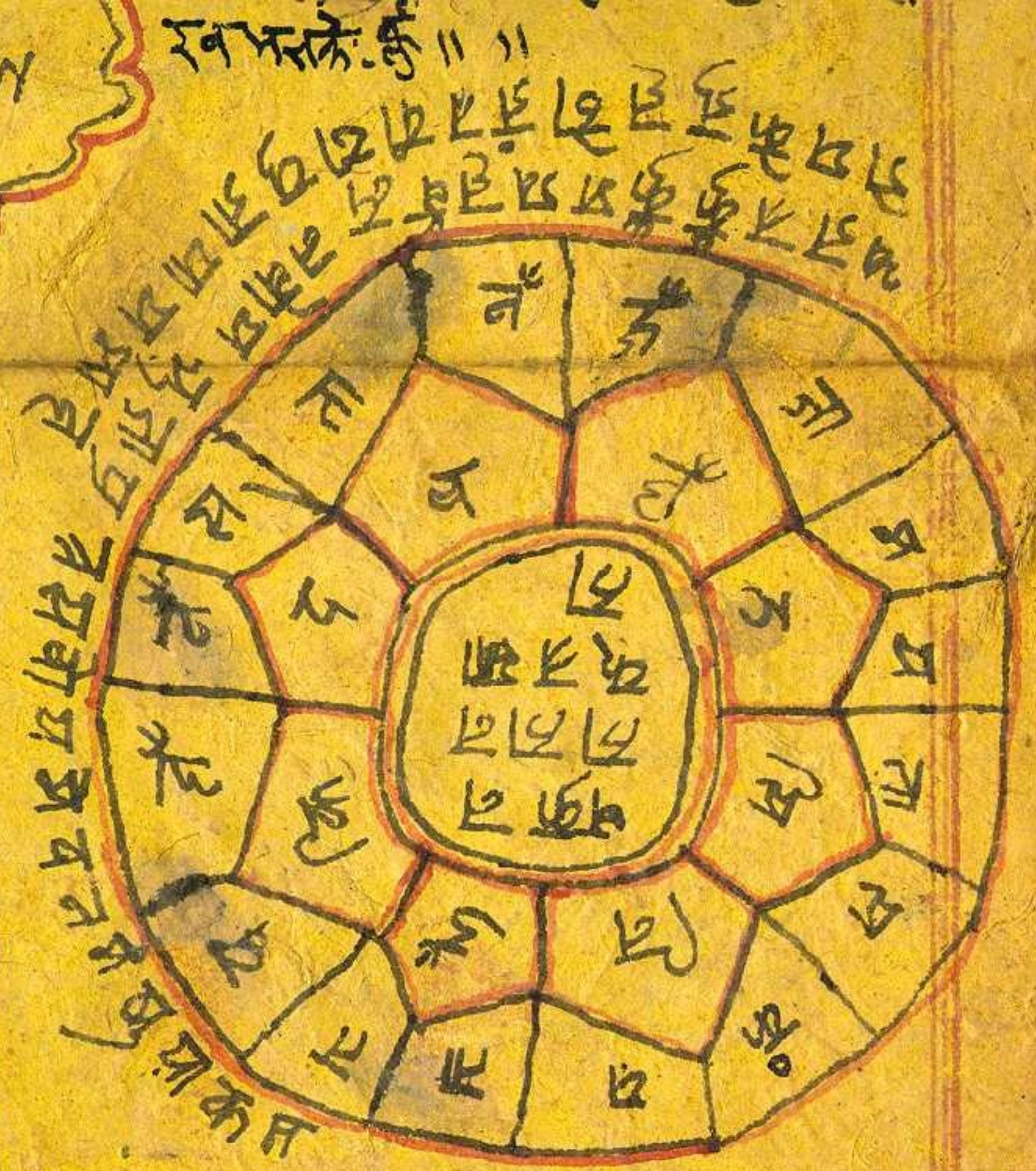
नीषदा सा धन ता दु नीप हत ता गार मदा
सीवता १ नीताथ नीता १ हि बयेत ता १ क
सुती मंसा २ नीचुर्न या द सा धात स ब
नं हत जो के पे के नी वी नय व वी र्नाय

थज त्र कुं कुं मज्ज हवं ल मज्जा
पत्र सवो यज ह स को वायके
मे व नठि य म फु पुत्रा याय
हि सा वी य मा हु ह ॥ ॥



धृजत्रकुं कुं मयतुवंदवो यजुता
 पत्रलवो यः गतसको वाये मेवनं
 ठीयमकु यजुतायायहि सावी यजुहं

मत्तुस्वानमिकुयाग्रमनसितः
 रुतातः सरवातममत्तयाग्रथूप
 समभागाचूर्तपाज्ञावहखसनि
 नावपातके सहायकेतुतुतथ



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

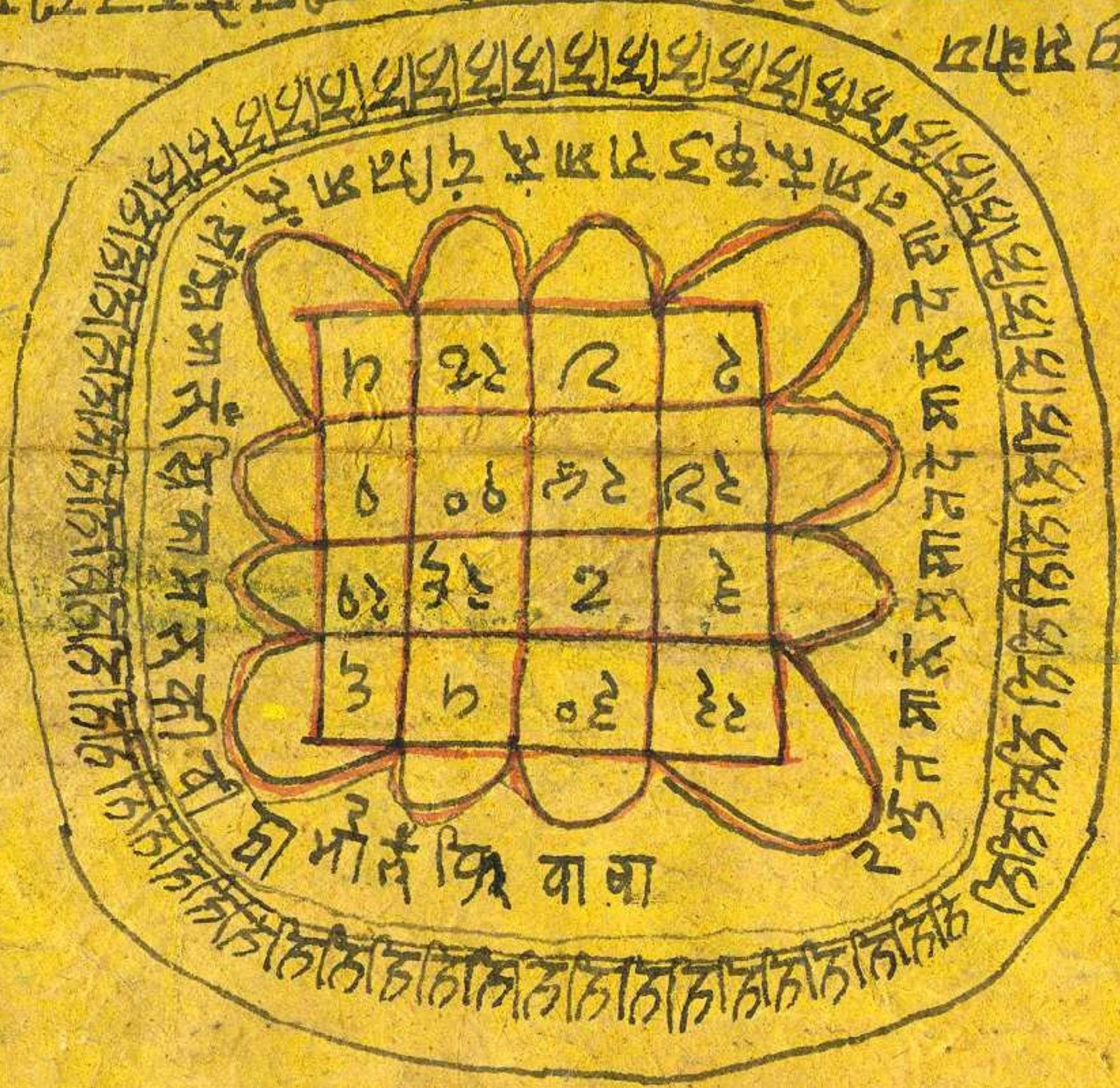


ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ व नै द्रा स्वा हा धार ५ हे का १ य का १ सा ये १ मा झ १ तु हे सी तु १ कु स का व
त १ ऋ थ गै या दा से ल ऊ र ॥ पु डा या य ॥ स्व ह नि रु ये ॥ मि सा मि ऊ न व स्य या य ऊ र ॥
मि मि या १ वा क १ ह म् थ १ थ स्व ता च्छा तो न के ॥ मि सा या स्त ग या ऊ र ॥ ब्या ब्या ॥

२६	३३	२	७
३	३	३०	१८
३२	१९	८	९
५	५	२८	३९

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
श्री कृष्णाय नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
श्री कृष्णाय नमः

ॐ अग्निराग्निः शिवसिंहिलामसहिलारुसका
नैरुतसाहाभाउमवाकू हिलक मवकन
त्रपाअवाथसरकथम् ॥ ॐ हि यं जयं
स साहाभाउथमनवाकू त्रपाउनकनता

कूकूमवतर्चन्दनविद्राकस
 वायवुद्रायायहिओविषय
 अत्रमेवनसषुयायमरुद्र
 र॥



दाहिनगर्नीगर्तुदाहिनिसिबिगर्तुंशग्याकारवसधानवतका
यावमिसायास्वातस्वन्नवथस्वस्यव्यावकायन्नमिसाधिकायन्नरथ

॥ ॥ ॐ श्वद्वनदनगत्तुभप्रीठहैरुदस्याहा ॥ १ ॥ अर १०००० ॐ तर्कगस

तयावन्नयमायङ्क० तयायमिसा ॐ वोन ॥ ॥ हिंदैरिंकातीद्विहैरुदस्याहाथ

मने ॐ अंतजवाअसिसातपलेसयातविहाअरखा रुतसतयतामशतसह

जाअयरुमिआमरुसससअरुशत ॥ ॥ ॐ तीदरवीकातीद्विहैरुदस्याहाथनता

हीतमशत ॥ अश्वे ग्यर १००० ॐ नन्नयअरखा रुतसस्यकप्यारुतयकुससदहाप्र
मरु



सा हत नै र ॥



ग्राहक तर्ज ॥

या ॐ सः कय हः हा क हः नी हः क स्मी र वृ यः वृ य थ नी स्य म
ग नी स्य वा य ह ती वा नी ग या ना स ल व पा ग ला त य मा न ह ल थ



मोहादोत्र
मम
कुम्ह

॥ ०० ६६ ॥



नि न का थु
र का धा



ग रा व ध
ग ५

॥ ॥ ॥
०० १०

ॐ नमो भगवते
सुखं भवतु



वे १
स्या
म र ता ६



व वा ध व
म व ता

ॐ नमो भगवते
सुखं भवतु

ॐ

रसि विग्रह आग्या हैं समय विवाह समय सिद्धि समय संस सया ॥ कया में कास
ल बोले अनिता स्वक या ही ॥ ताथ जाक ही ये ॥ ॥ सिवि सूर्य तन गयु पाद
॥ अर ३ तषज पन यं ता न मे व न म पु या हा लि का ये म ॥ ॥ ॐ न म रसि विग्र
ह आग्याः काम स गजिव न रिव य ॥ व न रु न व न न ग र कि वि द्या ह मा ती का अ
सिद्धि ॥ का स स वान स पत मे व न म व न क का या व न स ला य प न सि रु य क
जि ॥ ॥ मा हि जि हि कि हि हैं रु ह स्या हा अर न या थ स्या व य म ॥ ॥
१ कं कं स म सि वो स्या हा अर १ तषज पन यं ता न कं कि मि दं अया ॥ ॥ हैं ल

लि. ला. हँरु ७ स्वाहा ॥ ३ भिनयु कयाय दे ली ॥ ॥ वा वा मि वा स्वा गग माद वि स्वा
हा ॥ २ ॥ ३ मा स्माः वा स्याः साम्य विक ऋ अ अया पु ये थ ति या पु य म् ॥ ॥ मँ हँ
ला मँ हँ ला दि ह ला नि ॥ ४ न व व या पु य अ कि र्त्त न व या पु ये ॥ ॥ ॐ य सी व न
य मँ हँ रु ७ स्वा हा ॥ ५ वि न हा क या य स ला य म् ॥ ॥ ॐ अ तु ना य डि हँ रु न
स्वा हा ॥ ३ मि र वा स्या क पु य म् ॥ ॥ ॐ ॐ का म नि ही क्रा द वि ॐ ॐ रु न ह्य म्
॥ ३ व स्या ही र वा ३ वा ॥ ॥ मँ व क क र नी र त रु न स्वा हा ॥ ५ म व न इ ष वि
त व मि अ व त स रु न का य हा ल मा को ॥ ॥ य दा या त ना प हा थ स या वा मा र

इंद्रमावतिर्हंरुतस्वाहा॥ अरुत व्यइवातया धुतनीप्रयाहाकयेकहालमासाव
यज्ञ॥ ॥ छिमि तुमि वृत्ती कवसमाना स्वाहा अ० वा प्रतककतयमत्ररुत
स्वाहा अ० वा प्रवतीनकयकं मिसावस्यवा ॥ वा० रगमात्रमदनी कुंदनी कौतवत
स्वाहा अ० वा सचदंत ठयीगा कविकेयायुय॥ ॥ वा० रमि र्बन्ययं दायं नि
कामकोल लाखे र्हंरुत स्वाहा अ० अरुत साम्बविकेयाय वा० ॥ वा० रगतगतनी
वातना स्वाहा अ० रगतनयठ स्वाकया युय अ० वा० ४ वा० २७ हंरुत कुमरवीपीसाया
चिनि स्वाहा अ० अरुत भूतनय नयापि सावनय नयाय्य वरत्रयावतियकत्र
॥ ॥ प्रजा कयातमाहा कवात र्हंरुत स्वाहा अ० अरुत मारत्या कयुय॥ वा० २७

किमिति विकिताय स्वाहा ॥ १ ॥ मिखाय बुत अउया पुये ॥ ॥ ॐ नमो
तु भगवते ॥ इति ॥ ॥ ॐ नमो ॥ ॥ निहावन ॥ ॥ ॐ नमो ॥ ॥ ॐ नमो ॥
या नो याधि कद ॥ ॥ ॐ नमो ॥ ॥ ॐ नमो ॥ ॥ ॐ नमो ॥ ॥ ॐ नमो ॥
हिय मं नरु नन ॥ ॥ ॐ नमो ॥ ॥ ॐ नमो ॥ ॥ ॐ नमो ॥ ॥ ॐ नमो ॥
पय नषत्रे पाहा ॥ ॥ ॐ नमो ॥ ॥ ॐ नमो ॥ ॥ ॐ नमो ॥ ॥ ॐ नमो ॥
हिय मं नरु नन ॥ ॥ ॐ नमो ॥ ॥ ॐ नमो ॥ ॥ ॐ नमो ॥ ॥ ॐ नमो ॥
हं नमो ॥ ॥ ॐ नमो ॥ ॥ ॐ नमो ॥ ॥ ॐ नमो ॥ ॥ ॐ नमो ॥

प्रयोगः भिमलात्रः अथ कसलीः काथपलः बालः तंगलाहा २५ तस्मै भाग न
पुपकुर्हं साभायमानययु समं काजसिधाययु ॥ नकिः जतामासकुर्ह
नुः अंगतिमिं सिलायः लाजिः कुढः आरवदः २५ तं पुपकुयसमं कायैकाजसि
वजयुत्रल ॥ ॐ नमः विद्युजिह्वागालं ३ जालमरिवली ३ जालीकुर्ह ॥
२५ मर्लं त्रिवपुजायाय त्रिनवयावली विद्येयं क्लीयुजालपुत्रायाय २
मं माहाविद्यासिधायकं २५ अमुसिधाययु रवडा ॥ न्यासमायाः ॐ वि
धुजिह्वाकुर्हं साहाः वगयाः जालमरि स्वाहाः सिलया ॥ ॐ गीर्णं क्लीं क्लीं स्वा

हा॥ ॐ ई ई स्वाहा॥ रवास्याः कुमु॥ ॐ जातस्वाहा॥ वसधातयिय॥ धनं न्या
सया हावेः सिधयकेः त्रिवस्व॥ ॥ **र्त्तिर्त्तिस्वाहा॥ कवचयाय॥ ॥ ॐ ई ई ई**
स्वाहाः कयलस ॐ ई ई ई रुद्र स्वाहा॥ ॐ रुद्र स्वाहा॥ ॐ रुद्र स्वाहा॥ ॐ रुद्र स्वाहा॥
वस्तु १०८॥ माता नः तालनः का कर्मयाय सा भि॥ धत कर्मः मया सी सवि
मद॥ ॥ शालनः तालनः का कर्मयायः धतिकु सल काल समुः सावराया
पुत्राया यः सि सिलता का मासः पाव्ही कर्मयायः वसर्त्तु काल यायः रु
प्रायः तौ न के वा न्याः त्रिकालर्त्तु॥ ॥ **सिद्धयात विमर्त्तु लसावर्त्तु काल र**
ना ना कर्मयाय धव धव धव मनुन क कर्मयाय रुद्र धव अडा कर्मयाय रुद्र

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पैङ्गुतुस ५५० कंननावेवृथिअङ्गलौ॥ ॥ ॐ नमोसिवाय ६४ ग्रावा ७ वाच
॥ ४ ॥ नमोस्वकीयवृ ७ ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ॥ सँथनिलमप्रकाः ७ ॥
प्रीतसकामिकीचिनुर्त ७ ॥ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥

॥ १ ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥
॥ २ ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥
॥ ३ ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥
॥ ४ ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥
॥ ५ ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥
॥ ६ ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥
॥ ७ ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥
॥ ८ ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥
॥ ९ ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥
॥ १० ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥ अ ७ मिस्वर्वाका ७ ॥ थिचिनुर्त ७ ॥

कुमाली

वातकुं

निकरं स्य विलसाः नो येन धातुः श्रुताः पाकोऽपि निद्रा ॥ यज्जाज्ञां तु तया द
रा धलज्जात न गृह्णागमः सत्ता हविः सुव ॥ के ॥ सुत्ताः पुत्रा निचात्ता
लो गम के अतः थाः स्वावत मवस्य पि प्रः वृ मया तागः मिषा स्या कः इ स पो
दयिः सैत्ता गः तै ह द युः क सः सिजलः ब हः इ त ह या दी मत्र



[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ शिंद्या वं पदस्य

मनःप्रमाणः कर्मनीकः स्यात्तापितात् वरुषला ॥ ॥ सिंहया लायः दृष्ट्या
 मस्याः कः गतुः सतातायेः दयिव ॥ ॥ सपनविंशु पर्वतत्रायावर्कः वनवर्नत्रायावर्क
 नासकमिजलवववर्कः नालामनः पंतीः हिमस्य नः रघुर्कः यावर्कः मिसातोयाज्ञान
 अववर्क ॥ **भोतः कनिव ॥** ॥ सित्तावनविता ॥ ताः वहायिकां तुयिकायातः अज्ञाः कलिः ॐ
 धिंथतदतहयादयिवः सिंहयासाः नुविधीः थवुं वदेवतास कशुादंतयादू नातयायमात
 गनसः



सपुत्राये॥ पुत्रपुत्रके सज्जालपा१ सत्तज्जालागा॥ दिन१०॥ कस्तुतिष्ठि सवित्तसाः
 हादतयाइः खानगा॥
 कलस विष्णु हिमस्यन तकुकनाग



स्वानया ॥ वल्लोच ॥ ७ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

वाङ्मयिगहसस्यवा॥वाहानदयेक॥शिवसर्वकर्म्मसुपुत्रा॥यत्नसस्काभवतिता
 शद्रिन७॥ ॥

महाका



द्वित



वध



प्रसनाग



२६०॥ ॥ ७॥ २॥ वाहनपद्मा कातः सिमादः स्वत्यमार्गिदः सिमाको सदेवदाः जनी
दः ॥ तति, कृद्व, थ, कृक, थस, अरु, त॥ ॥ स्वमेवात्त॥ ७॥ २॥ खलनत्रिवसंसय जसनूरी
॥ ७॥ तत्र अमर्षवमेव पिजवाः भादेने गरमन अपि भुतः पिभचत्र कावली कि ॥ ७॥
ददाया ॥ ॥ खलया लागाः त्रिवसंसय जयुः ॥ गायुः वा किली वयुः ॥ कनापस्या युः लिगस्या
मुः ॥ अतिस्त्रायुः सतं ग्वमरक्षायुः ला सः पु रु व व संयः ॥ पिता चयः ॥ उ उ या दा पला स्य ये ॥
स्य पु वि नाः सीतः ॥ धीतः ॥ त्रिवयाः पु दे सर्व का व कः ॥ मे सः स प्र व ला हा व कः ॥ थ तं कृ नि व व
त॥ ॥ ॥ वनचिंता चमः ॥ त्रिववात कः ॥ न व म् ॥ थ तं इ वि यि वः ॥ वलयाः ॥ भ नि वि वी ॥ ॥ वि वृ स
कः ॥ पं र्क म् ॥ पुत्राः ॥ पि व दा या त स तं व या त ॥ वलिः ॥ आ का स वा ली नी या तं ॥ ७॥

महाप्रद्युम्ना

पिशाचः

देव



ली ॥ क्रिकोयः काशनदयकै ॥ कुरेति निसपुत्रतायः खंदापातसयाहुः पिथगलससं वा ॥ खरुका
 रवतिहागी ॥ दिन १०० ॥ पलयावली व ३॥ ०॥ १॥ ७॥ महापद्यनाग मौरवायुयकलसध्वलप्य
 गगमल ॥ द्वासीरेः ए द्वीदुः व वनदयु ॥ ली ६ ॥ अग्नकलसरतद ॥ नागपुत्र ७ क ७ पल १॥
 रेतमार्तः कु किनिसकैत्रथहाविये ॥



शगंजनयाधुदसाकलागमः अत्रिर्ल कोपामय अकलागमः नागस्यपिठक
 तीरे तागम ॥ क पु वि वि का रु ७ पु ७ ॥ ॥ गजयातागवकासाकदयु
 य ७ सायुः रुवकद्रायलपिवः अत्रिर्ल अयुव ॥ मिषासाकः नागदावनीः रु
 क सायुः पितेतागः क क क क व यु ॥ ॥ अग्नससैः रुवकै यावकैः विजनह
 रुवै हाः रु सिरवारः पहावकैः तापिनः अ स रुवहावकैः थ तं जानिवा ॥ ७॥

संघपारनाग

विष्णु



अश्वत्थाम



रुद्रिनि



संघपारनाग



२४ नचिन्ता ॥ प्रति ॥ पुन ॥ दत ॥ धन ॥ रव ॥ मलिक ॥ तापिध मावसु गज मा २४ तदतहया ५
॥ अनिविधि ॥ वल्लनना गता शस के स्य वाव ल मा लत्रा सि मा क स तत या त या त क कि नि स व
उ थ हा व वि य ॥ पि सा च या त व नि वि य ॥ ॥ स्व स्त्री त्व वं ति हा ग न १० ॥ गज या व ल ॥ १० ॥ ११ ॥ १३
तापिध चो व ॥ ११ ॥ वा ल व उ क न ॥ सि मा द ॥ त ह द ॥ वा क द ॥ ला व ३ री व वो ग म र द ॥ ग म ल स ना ग
मौ १ ॥ पु ज १० के वा ल १ ॥ द जि न दि ग ॥ त त या त क कि नि स ॥ उ क थ
हा व ॥ व स त य क ल क्ता य २४ त न सा ति ऊ य उ अ मु त ॥ १० ॥

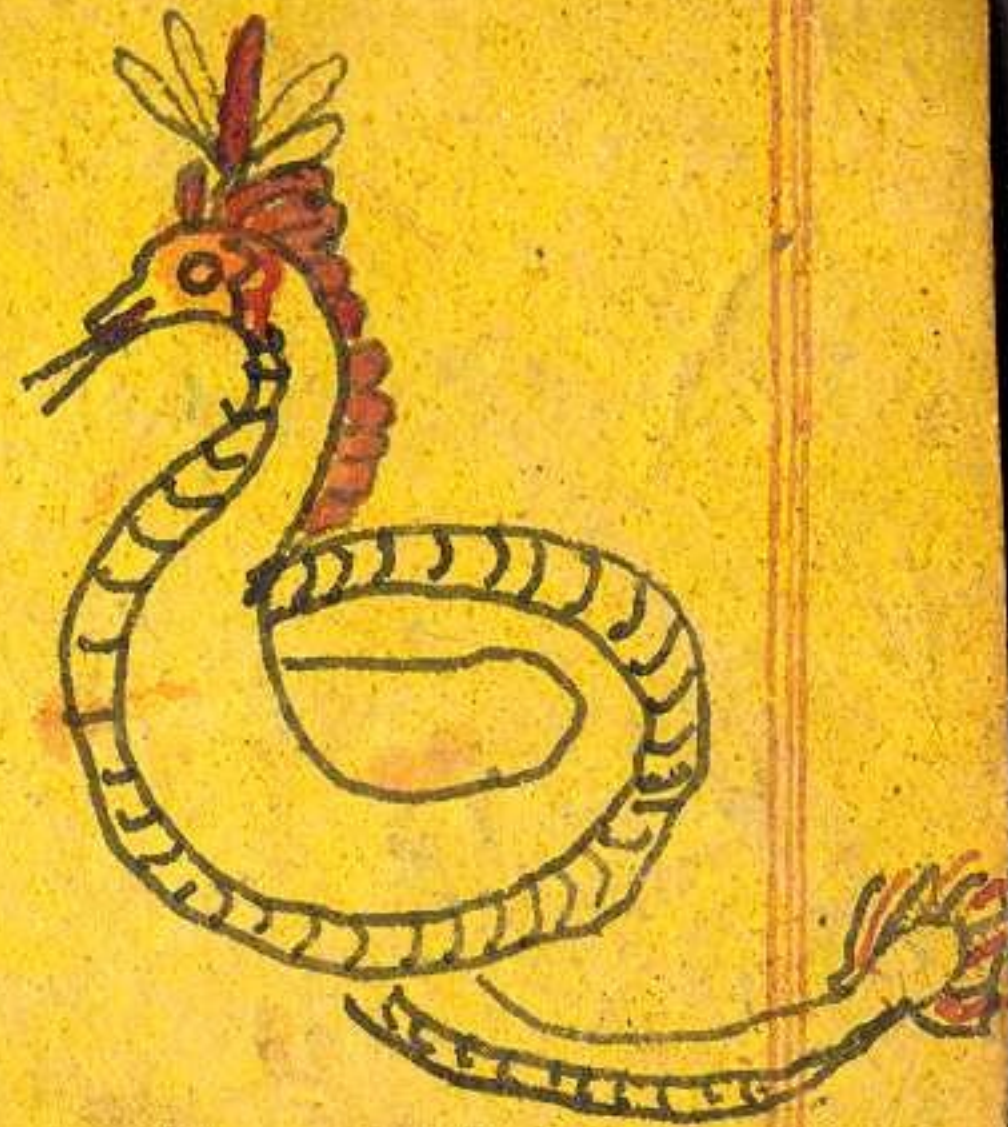
१ धौ ऊ न का १३ म ति व द ४ ॥ र्व वि षा त म १३ व पु ता व क ४ ॥ व ल
१३ द क पि ति के दा १३ दा द ॥ पि अ व पि ज य व द ति ग्मा या ॥
१३ ॥ ऊ या हा ग ॥ ॥ मा सा क अ यु ॥ अ ति त व द व रु यु ॥

विरवमुनयुग्मपि॥ ॥मेवनद्वयवियी॥बुडाचन॥पितृतागन॥पितृतपिव—
वृत्रह द्रविष्ठा माहाका कुलिक



[illegible]

ॐ नमः ॥ १२ ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥







१२	७	१०
२	१२	१
७	६०३०	१
९	११	३

६०५ ६०५ ६०५ ६०५

५० ५	७ ३	७ म
६	१	२
१ ३	म ७	सि ६
७		३
ष ल	व व	खा न
३	७	७

३कुदलप्रकगमंदिःस
 थतिनि प्रकोशह लाव
 कलिःमःनवयंकद्यु
 आवयिदिहादलका
 कलिनका॥ ॥खत्रन
 सिविःवुममुलकुःसिहृजय
 "स्नानकहातिनर्थःवरवनता
 मःश्वेतलदहपिदा॥गजन
 सम्यला॥५०५॥अर्थनासन

७	१	१०
६		९
१२	८	११
२	७	३

शक्तिगुणदम् १०। चन्द्र १ गमन क हि रूः स हि गत ३ ११ अग्नि
 ३ ला भ क हि रू ॥ ७ ॥ वाल ७ अग्नि से र्क थान व नि र हा
 द ल १२ का रु ना स ॥ व स ७ व द ७ मा न क हि रू ॥ स न्क ॥
 ॐ सह द वा य डी न म स्था हा ॥ स तान र प त र्प थि य क ॥ सह द व क्का
 य ॥ ॥ ॐ न मा आ ग र् आ ग्मा १ स था व य र चा त य र सा त य र कु
 ल य र ह रू ठ स्था हा ॥ वि द्या रू रु ना या य मे व न म व या हा न कु
 सा म गे ल के रु न ल म क्रि व र व रु पा व ता के रू मे व य या पु रु ह म गे क ॥

२ पुंलु मासिः अमावास्या रवदिन कुतये ॥ ॥ तद्विष्णुमात आवाली ॥ अकृष्णकुत ॥ अकृष्ण ॥ पुनिसि
अमावासिः चतुर्दशः पुर्वं तद्विष्णु कुतये ॥ आदिवातः सापवात कुतसा नातन सा ॥ ॥ नानाधनव
सुत रुसेये ॥ मिवन वृत्तमषु थ अकु संचा रुनीषु तसेये ॥ ॥ आथ त्रिथी नीषु वृत्तस्य ये
र ॥ ॥ नाम कु द्वावाचानि ॥ ॥ अं कु वृत्तः समिप ह्मा इत वृत्तः गजः सिंहया ॥
स्नानः वृत्तव मा र्ग ह्मा ॥ ॥ संचा फा का कथे मया ॥ ॥ वृत्तसः वृत्तस थालसा
॥ अथ वा कवन सा थ वृत्त वृत्त ना पंचा रुनीषु वृत्तस्य ये ॥ ॥ गजसः सिंहस थालसा
ना पालस्य ये ॥ ॥ स्नानसः वृत्तस थालसा ॥ अथ वा कवन सा थ वृत्त वृत्त ना पंचा रुनीषु
वृत्तस्य ये ॥ ॥ गजः सिंहस थालसा ॥ ना पालस्य ये ॥ स्नानसः वृत्तस थालसा तीसि स थ वृत्त
वृत्तस्य ये ॥ ० ॥ वृत्तः वृत्त थ वृत्त थालसा थ वृत्त संचा रुनीषु वृत्तस्य ये ॥ ॥ ॥ ॥

॥ अथ वा कवन सा थ वृत्त वृत्त ना पंचा रुनीषु वृत्तस्य ये ॥ ॥ गजः सिंहस थालसा ॥ ना पालस्य ये ॥ स्नानसः वृत्तस थालसा तीसि स थ वृत्त
वृत्तस्य ये ॥ ० ॥ वृत्तः वृत्त थ वृत्त थालसा थ वृत्त संचा रुनीषु वृत्तस्य ये ॥ ॥ ॥ ॥

ध्वजः गजचक्रवर्णानिः वषः सिंहः चक्रासिकाः स्नानः बलः प्रवक्रानि ॥ ॥ दिनास्तु ॥
ॐ वृ मया ॥ ॥ ध्वजसः गजसथिलसाः दक्षिणतुनितुमुडा ॥ ॥ वषः सिंह
सथिलसाः तक्षिणज्ञातुमुडा ॥ ॥ ॐ सः धुमसः थिलसायातातुनितुमुडा ॥
॥ ध्वज गजचक्रवर्णानिः वषः सिंहः चक्रासिकाः स्नानः बलः प्रवक्रानि ॥ ॥ दिनास्तु
ॐ वृ मया ॥ ॥ ध्वजस गजसथिलसाः दक्षिणतुनितुमुडा ॥ ॥ वषः सिंह
सथिलसाः तक्षिणज्ञातुमुडा ॥ ॥ स्नानसः वषसः थिलसायातातुनितुमुडा ॥ ॥
ॐ स धुमस थिलसायातातुनितुमुडा ॥ ॥ ॐ नमः श्रीवायः सयी ॐ उवाचाव
म सर्वैः प्रवक्राभिः सर्वैः का ॐ यत्तु न स थिल मयसः ॐ ववर्तु मकली कथितं

नि लु ना

३ ० ४

कि ५ अ

१८ मनु अच सिद्धि नाकय ॥ कवि हवि न दाव कु लु व न त ल
 अ न्नी क न स म हा ल य ॥ ५ ५ स य ॥ सि द्दी ॥ कि ६ च व न ना स
 नी ॥ ३ म का व न त ल ॥ ४ ॥ नि व पि द्द ल प तित ॥ थिय का व
 स य स य ल अ स त ल स य ॥ ६ ६ य या ल ॥ म य या ल ॥ ४ य
 ष व ल ॥ म खु ल ॥ ४ अ नु अ य न स य ॥ ॐ क्री क्री य न न ॥ ॐ वं स
 ल ॥ स ॥ ४ ॥ म य ल स व नि यानि वा ठ न य न ॥ ४ ॥ त व क ३ त्रि द्वा पा ६ ॥ ४ ॥ ग त्व
 स र्व चि त् ति क न स ल ॥ ३ ॥ ॐ वृ द्वा पा म ल य ॥ व द्वा वि वि व य ल ॥ ४ ॥ यि

ताली डी को माली कहि कामा ॥ यि वं तु मधुमर्द ॥ वे बु वि ग य माना ॥ वा
 तिलादयनि ॥ पडुततपडहानत्यमानातथनु ॥ वाम् लो वापतकी ॥ इ
 तगलसहिता ॥ मतैतावयनानु ॥ थतै के दाययात ॥ काय सायवतसक
 ति नमथ ॥ ॐ अस्तु ग हत्या सीत्य ॥ अस्तु नागत्यै सीत्यै ॥ अस्तु ताकवातत्या
 त्यै अस्तु सवदवत ॥ त्या सत्यै ॥ अस्तु मातृ कैत्यो मत्यै ॥ ॐ सत्यै ३ सत्येनकथ
 यि कामान ८ स्त्रा हा ॥ थमै न के अस्तु तवै ति न ३ २ पतद स अनया स्यम ॥ द
 मसाथ नदि ॥ मयि

ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ

२६ अग कायुर्लुमा स्यी॥ मसला सन्धेमानपि॥ गन्धर्वी प्रायससुखीय
क्रोधयति यद्यथा॥ पिताकृष्णयज्ञि॥ पञ्चैर्यस्य सपिबोत्तम॥ पि
॥ चालाते शसर्व॥ भीमस्य दुष्टानकृनिता बुद्धिसिकुन्ना॥ अस
लने कृनिता अस्मावासी कुन्ना॥ नासतनी कृनिता॥ अस्मि कुन्ना
लाके सनै कृनिता पाद कुन्ना॥ पुतन कृनिता॥ पदिसि कुन्ना॥ नाग
ने कृनिता पञ्चमि कुन्ना॥ पिशाचन कृनिता वाक्रसतता वाद्रुयुता ॥

संमुखं त्रयु॥ सचित्रयुः न स्यात् कस्यानसत्तयत्रयुः॥ वत्त अत्रयवि॥ २
युकापलक्ष्मी न्यायुः॥ अतः वत्त यनिर्नैक कालेन॥ ७० तयमसर्वं य
ता अत्रैकातिः मवद्यापमयाकः मिरवा कलई की जवव वत्त निवः॥ यत्त
असत्तन कनि॥ अत्रा हा त किन सियरु॥ अ॥ ७१ ताल अमि वः यारवन ई
यिवः मत्तातिवः साय कायन कस्यै न्यायुः॥ यत्त गं वत्त न त्रीहाल ई
स्य ई॥ ७२॥ वाक्य सत्तव काल त्रयु ह कथा त वि यु॥ ला त्रमद॥ कल ॥ म
वव २ सत्त नै म चि नाग पु ला हात दास्य सनि॥ अ॥ यत्त स इ न वदस्य न



पुरे नु रि शा व उ म
 वी य मा ही का ल स पु
 गा या ना व ली त ह या
 व प ल्वा न दु प न म व
 न म पु या क ली का य गु ल

विद्यायाः नमः ॥ नमः विद्यायाः नमः ॥ नमः विद्यायाः नमः ॥ नमः विद्यायाः नमः ॥ नमः विद्यायाः नमः ॥

[illegible]

पुस्तक संख्या ११५

का तो

वे। तो। पा। हा। — २

मये रा। — तो। — १

व्ये ५० — तो। १

एवमीकावी आवा। — तो। १

तमाकाको भीकु वा। तो। — १

हिराकु तो। — १

सेतीमिहाइता५० भवधा। ५ रि। का

तमाकाको भीनुवा। — तो। — १

मये नु — तो। — १

वा ६। वा हा। — २

२॥ ३ को व्ये ५ — तो। — २

मं पा सं व — तो। — १

जं धा २ — मा म — ३

ज ये ती अवाइ य कान् धा ५ मा हा

५ रा। भवधा ५ ती को ला हा

तो प्र के क लवाते ल तो हा — ६

२॥ ३ को व्ये ५ तो हा — ३

मये नु तो हा — ३

मा व्य व तो हा — ३

हा व्य र मा म — ३

म ये मा म — ३

क

म ये ती अवाइ य का ५ नु स म धा ५ ३ २

का राय म नु

ह

उदा संवतो ५ जंघार तो १ म नु तो १ ति ह को ते ह तो ५ बो पा हा र य ता व
का उ नु ष ता हा मा हा उ नु ष ता रा ना को हो ॥ ॥ य हे हो म ह म ॥ न उ ना तो
५ मा ह धु य तो २ म रा तो १ य उ स नी य ती मा हा दे व का उ नु तु तो को हा उ नु ना
को हो ॥ ॥ रा तो म ह म ॥ बो तो या हा द म य नु सा इ र मा स १ धु उ तो हा १ य ता मा
रा डे य का उ नु म व चा उ मा हा उ नु हुं क ॥ ॥ म न तो म ह म ॥ न उ ना तो ६ स ह धु
य तो हा र म दा संव तो १ नु ढा मा म स १ य ती मा हा दे म र या व हे व न ना उ नु घा उ मा
हा नु घ उ मा मा म उ म हं क म व चा उ मा हा उ नु हुं क ॥ ॥

म ने नु तो २ सा र धु य तो १ गा हे को नु उ ना सां धु मा म १ २ गे ल मा स ६ क ल ते तो ५

五

यसनिष्ठा गाय स्वाहा ॥ ४ ॐ गजाय स्वकाय स्वाहा ॥ ॥ ॐ श्रीं कामलाह वृत्ता
हा ॥ ॐ वृत्ताय स्वाहा ॥ ॥ ॐ वृत्ताय स्वाहा ॥ ॥ ॐ माहा स्वती धुमा
यनमः ॥ ॐ कोमाली सिंहायनमः ॥ ॐ वैष्णवायनमः ॥ ॥
ॐ वालाहि देवायनमः ॥ ॥ ॐ दुर्गायनी स्वरायनमः ॥ ॥ ॐ वामदेव
गायनमः ॥ ॥ ॐ माहात्म्ये श्रीं अयनमः ॥ ॥ ॐ गायत्रीति देव
हया ॥ ॐ श्रीं माहात्म्ये श्रीं अयनमः ॥ ॥ ॐ श्रीं माहात्म्ये श्रीं अयनमः ॥ ॥
ॐ श्रीं माहात्म्ये श्रीं अयनमः ॥ ॥ ॐ श्रीं माहात्म्ये श्रीं अयनमः ॥ ॥
ॐ श्रीं माहात्म्ये श्रीं अयनमः ॥ ॥ ॐ श्रीं माहात्म्ये श्रीं अयनमः ॥ ॥

वीलीया मतव असा

सिकया मातनी तेतयत पापि सा चया दंवया भयमदः०० का पतकात्र
पाअमि सये दा किनी सा किनी पा ले म म मातः प्रियं गू अ वा अनाम नति
तदय शु या ना सड ने गर गति अ पा मि स ध त न व ला द य स व मा निया
य अ ल ॥ वा ल स या हि म सान या का पा मि स द य क त ड अ ०० अ ॥ ॥
ॐ अ म र्ति न यि व षा अ ॥ अ म र्ति कि ती ले ला अ अ म र्ति नु सि व्य श य अ
म र्ति मि त्त ल कि मि रु त्त मु ०० ख ल वा चा तु म आ ल व द्य रु द्त मू श्या र ह न
अ सि व सि व त्ता म का ल कि म न् को वा या अ १ वा त मा र वः रि निः के ह त्ते

वृचि २०० निया अ पात क वात यानास ॥ ॥ ॐ तत्सत्ता तम्रतिनाम श्री ३
ॐ ॐ ॐ म कै सि मि घ रु द स्वा हा ॐ चिक नत्र पा अ वृ य के न नाने म वा वृ य
के ॥ ॥ यत् ॐ का यो कां लिः वि ॐ क र क र ह लि मं उ त्र ति आ ग्य ॐ ग र
ग सा यि स ॐ ति मा द वि वृ ज त्रा मि मा ता द विः या त वा ति मा ता द वि ॐ रु
स्वा हा ॐ वा सा द क्री सा कि नि इ र व वि त सा ॐ का य का त्र या अ हा ल वृ
ला क्री इ व सि या अ सि यि अ त्र ता ॥ ॥ इ नी अ वि वा त्त य ॐ का य का वि
वृ ग र ग र तिः ॐ मा याः दे व र वा या वा ॐ का न त्रः सि द्धा यः ॐ च न्द्र या

वा यो सि मा य

मेवमायुर्जीवन्मृतमपि

हाउअवपथनवासाथअथअरुपनअनिआ। जाकित्रयाकयकनअहता
यनवपमातनथइलसम॥ ॥ॐ कैं कौं क्रीं किं किं किं किं किं ययं
ववना कैं रुतखाजाअववना॥ ॥२ॐ कैं वषयविमहितनाउडा
वदयात॥ अ० मुंयात्रिआ॥ ॥ काँ काँ काँ कैं कैं कैं हाँ कैं रुतखाजा
० सतुअअरुं वतय रुयुयातमसिनयानउकायाअमुंयाहाउहाताकै
यथअनतकोइल॥ ॥ॐ लिविगरुअग्यापानिपानिपानिदियकै
इकातमवाविकातयभाहानलाषयवृहानकानयकाअरुपकाअनी

स्नानयाहाः ग्यलवनलागननस्यंगलिसिर्हंतयति यसितनलापा
 कवस्यअल॥ ॥ इधतस्नानसिं सुनानैमखनकैकौपाउरुययश्राया
 याहाअनरुआमाअठकुलानसंथठकुगलिसमाहा१तस्यततहाअ
 यकिंतथनैसतिकेकुस्वाहाअनापंधानिअथतनंदिनयतिपूत्रा
 याहाथमाहातनयया२थनसाद्राहवानअ००००अअल॥ ॥ हिलाथ
 तिःकेउकागतिपातससाधनः३किचाद्याससमभागवनिशु
 रापपायउकेमकयिपाकिलस्यायउकेमयानासअल॥ ॥ ॥ ॥